दिल्ली पुलिस के 'बुक बैंक' को दीजिए किताबें, ज़रूरतमंदों को मिलेंगी

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

अगर आपका बच्चा पढ़ाई करके आगे की क्लास में आ चुका है, तो उसकी किताबें रद्दी में बेचने के बजाय दिल्ली पुलिस को दे दें। जी हां, दिल्ली पुलिस ने 'बुक बैंक' खोला है। इसकी पहल सबसे पहले आउटर जिले से शुरू होने जा रही है। मकसद है, आर्थिक रूप से कमजोर उन बच्चों और परिवारों की मदद करना, जिनके लिए किताबें खरीदना कठिन होता है।



आउटर जिले की पुलिस ने शुरू की एक नायाब पहल, आप भी बनें इसका हिस्सा

'बुक बैंक' के लिए दिल्ली पुलिस के सभी जवानों और उनके परिवारों से भी मदद मांगी जाएगी, जिनके बच्चे एक क्लास से दूसरी क्लास में जा चुके हैं। साथ ही, पुलिस की आम पब्लिक से भी अपील है कि वे बच्चों की किताबें रद्दी वाले को न दें। पुलिस बुक बैंक के जरिए ऐसे बच्चों और परिवारों को चिह्नित कर रही है जिनके बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। पुलिस ने अपनी इस पहल की लाइन रखी है- 'योर ओल्ड बुक कैन चेंज अ लाइफ', यानी आपकी पुरानी किताबें किसी की ज़िंदगी बदल सकती हैं।

बुक बैंक की पहल के तहत आउटर जिला इस दिशा में शुरुआत कर रहा है। डीसीपी हरेंद्र सिंह ने इसे फाइनल टच दिया है। जिला लेवल पर कम्युनिटी पुलिसिंग के इंचार्ज मधुकर 'बुक बैंक' का सुपरविजन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए 'लाइफ चेंजिंग' साबित होगी। आउटर जिला पुलिस की आम जनता, इच्छुक पुलिसकर्मियों और उनके बच्चों से अपील है कि मार्च के अंत में सेशन खत्म हो जाएगा। इसके बाद किताबें जरूरतमंदों को दिल्ली पुलिस के माध्यम से दान कर दें। चाहे वो एनसीईआरटी की किताबें हों या फिर हेल्पिंग गाइड।

डीसीपी हरेंद्र सिंह के मुताबिक, कोशिश है कि दिल्ली पुलिस आम जनता और जरूरतमंद बच्चों के बीच पढ़ाई की मजबूत कड़ी बन सके। बुक बैंक की लॉन्चिंग के लिए डीसीपी ने जिले के अपने सभी थानों, स्टाफ, यूनिटों को कहा है कि वे सभी पुलिसकर्मियों को इस पहल के बारे में बताएं, ताकि वे अपने-अपने बीट एरिया में लोगों को बता सकें। ये किताबें जरूरतमंद बच्चों को बाहरी जिले के क्लस्टर एरिया में दी जाएंगी। पुलिस का कहना है, किताबें देने के लिए आउटर जिले की पुलिस से संपर्क करें या **Cpcell.Outer @gmail.com** पर मेल करें।